पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 11वीं

(सैद्धांतिक)

1. निम्नलिखित के अर्थ एवं परिभाषाएं :-

   संगीत, ध्वनि, नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, थाट, राग, बंदिश, स्थायी, अंतरा तथा आलाप।

2. विभिन्न वादन शैलियों का अध्ययन।

   (क) ध्रुवपद (ख) ख़्याल।

3. पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे की स्वरलिपि तथा ताल-पद्धति का पूर्ण ज्ञान।

4. महान शास्त्रीय गायकों का जीवन परिचय।

   (क) संगीत सम्राट तानसेन (ख) पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे

   (ग) श्रीमती गंगूबाई हंगल

5. रागों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके द्रुत ख्यालों की स्वर लिपियां।

   (क) राग यमन (ख) राग दुर्गा

6. तालों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके ठेके को दुगुन सहित लिपिबद्ध करना।

   (क) तीनताल (ख) दादरा

7. प्राचीन संगीत-ग्रन्थ ''नाट्यशास्त्र'' का संक्षिप्त अध्ययन।

पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 11वीं
(क्रियात्मक)

क्रम संख्या	विषय सामग्री	अंक विभाजन
1.	पाठ्यक्रम के रागों में एक-एक द्रुत ख्याल का आरोह, अवरोह, पकड़, साधारण आलाप तथा तान सहित गायन।	07
2.	एक पारम्परिक हिमाचली लोकगीत का गायन।	05
3.	राष्ट्रीय गीत तथा राष्ट्रीय गान का गायन।	05
4.	पाठ्यक्रम के तालों को ठाह तथा दुगुन सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	05
5.	पाठ्यक्रम पर आधारित लघु-प्रश्नावली के माध्यम द्वारा बौद्धिक परीक्षण।	03

पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 11वीं
(सैद्धांतिक)

1. निम्नलिखित के अर्थ एवं परिभाषाएं :-

   तान, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, सम, खाली, ताली, विभाग, मात्रा, निबद्धगान तथा अनिबद्धगान।

2. विभिन्न गायन शैलियों का अध्ययन।

   (क) भजन (ख) लोकगीत।

3. तानपुरे की बनावट तथा उसके समस्वरण (मिलाने) की विधि।

4. महान शास्त्रीय गायकों का जीवन परिचय।

   (क) पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर (ख) उस्ताद आमिर-खाँ

   (ग) श्रीमती गिरिजा देवी

5. रागों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके द्रुत ख्यालों की स्वर लिपियां।

   (क) राग भूपाली (ख) राग काफी

6. तालों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके ठेके को दुगुन सहित लिपिबद्ध करना।

   (क) एक ताल (ख) कहरवा ताल।

7. प्राचीन संगीत-ग्रन्थ ''बृहदेशी'' का संक्षिप्त अध्ययन।

पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 11वीं
(क्रियात्मक)

क्रम संख्या	विषय सामग्री	अंक विभाजन
1.	पाठ्यक्रम के रागों में एक–एक द्रुत ख्याल का आरोह, अवरोह, पकड़, साधारण आलाप तथा तान सहित गायन।	07
2.	किसी राग पर आधारित एक भजन का गायन।	05
3.	हिमाचल प्रदेश शिक्षाबोर्ड के कुलगीत का गायन।	05
4.	पाठ्यक्रम के तालों को ठाह तथा दुगुन सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	05
5.	पाठ्यक्रम पर आधारित लघु–प्रश्नावली के माध्यम द्वारा बौद्धिक परीक्षण।	03

पाठ्यक्रम (संगीत वादन) कक्षा 11वीं
(सैद्धांतिक)

1. निम्नलिखित के अर्थ एवं परिभाषाएं :-

   संगीत, नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, थाट, राग, गत, आरोह, अवरोह, स्थायी, अंतरा।

2. विभिन्न वादन शैलियों का अध्ययन।

   (क) मसीतखानी गत (ख) रज़ाखानी गत।

3. सितार वाद्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, अंग वर्णन तथा समस्वरण (मिलाने) की विधि।
4. पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे की स्वरलिपि तथा ताल – पद्धति का पूर्ण ज्ञान।
5. महान शास्त्रीय संगीतकारों / वादकों का जीवन परिचय।

   (क) पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे (ख) उस्ताद बिस्मिल्लाह खान

   (ग) श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

6. रागों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनकी रज़ाखानी गतों की स्वर लिपियां।

   (क) राग दुर्गा (ख) राग यमन

7. तालों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके ठेके को दुगुन सहित लिपिबद्ध करना।

   (क) तीनताल (ख) दादरा ताल

पाठ्यक्रम (संगीत वादन) कक्षा 11 वीं
(क्रियात्मक)

क्रम संख्या	विषय सामग्री	अंक विभाजन
1.	सितार की बैठक व मिज़राव के बोल दा – रा- दिर का अभ्यास	02
2.	दस थाटों में आरोह – अवरोह का अभ्यास	05
3.	तीनताल तथा दादरा ताल में किन्हीं पांच अलंकारों का तीनों सप्तकों में अभ्यास	10
4.	पाठ्यक्रम के तालों को ठाह तथा दुगुन लयकारी सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	05
5.	पाठ्यक्रम पर आधारित लघु – प्रश्नावली के माध्यम द्वारा बौद्धिक परीक्षण।	03

पाठ्यक्रम (संगीत वादन) कक्षा 11वीं
(सैद्धांतिक)

1. निम्नलिखित के अर्थ एवं परिभाषाएं :-

   अलंकार, पूर्वांग, उतरांग, वादी स्वर, संवादी-स्वर, अनुवादी स्वर, सम, खाली, ताली, विभाग, मात्रा, परण, चक्रदार।

2. विभिन्न वादन शैलियों का अध्ययन।

   (क) ध्रुपद (ख) ख्याल

3. वाद्य वर्गीकरण का विस्तृत अध्यन।

4. तबला वाद्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं उसके अंगों का वर्णन।

5. महान शास्त्रीय संगीतज्ञों का जीवन परिचय।

   (क) उस्ताद विलायत खान (ख) पंडित शिवकुमार शर्मा

   (ग) श्रीमती एन. राजम

6. रागों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनकी रज़ाखानी गतों की स्वर लिपियां।

   (क) राग भूपाली (ख) राग काफी

7. तालों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके ठेके को दुगुन सहित लिपिबद्ध करना।

   (क) एक ताल (ख) कहरवा ताल।

पाठ्यक्रम (संगीत वादन) कक्षा 11 वीं
(क्रियात्मक)

क्रम संख्या	विषय सामग्री	अंक विभाजन
1.	पाठ्यक्रम के रागों में रज़ाखानी गत का वादन दो तोड़ों सहित।	07
2.	किन्हीं पांच थाटों में दो स्वरों की मींड युक्त अलंकारों का वादन।	05
3.	राष्ट्रीय गान तथा राष्ट्रीय गीत का वादन।	05
4.	पाठ्यक्रम के तालों को ठाह तथा दुगुन लयकारी सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	05
5.	पाठ्यक्रम पर आधारित लघु – प्रश्नावली के माध्यम द्वारा बौद्धिक परीक्षण।	03